दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 23 सितम्बर 2019 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-01, अंक- 353

हृयूस्टन में पहले ही दिन एनर्जी सेक्टर के सीईओ से मिले मोदी, एलएनजी पर अहम समझौता

हृयूस्टन। हाउडी मोदी' के लिए हृयूस्टन पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी का भारतीय समुदाय के लोगों ने भव्य स्वागत किया। एनर्जी सिटी के नाम से मशहूर हृयूस्टनर के बाद पीएम मोदी ने वहां के एनर्जी सेक्टर के सीईओ के साथ राउंड टेबल में शिरकत की। एनर्जी के क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग को विस्तार देने के उद्देश्य से यह बैठक बुलाई गई थी।

हृयूस्टन के होटल पोस्ट ओक में हुई इस बैठक में टेल्यूरियन और पेट्रोनेट के साथ लिचिफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) के लिए मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पांच मिलियन

टन एलएनजी के लिए एमओयू साइन किया गया।

टेल्यूरियन और पेट्रोनेट ने इसके लिए ट्रैन्ज़ैक्शन एग्रीमेंट को मार्च, 2020 तक अंतिम रूप देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। गौरतलब है कि टेल्यूरियन ने फरवरी में ही पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड इंडिया (पीएलएल) के साथ एक एमओयू साइन कर पीएलएल ड्रिफ्टवुड परियोजना में निवेश की संभावनाएं तलाशने की घोषणा की थी।

कंपनी की ओर से कहा गया था कि इसमें प्रस्तावित एलएनजी टर्मिनल के साथ ही प्राकृतिक गैस उत्पादन, एकत्रीकरण, प्रसंस्करण और परिवहन सुविधाएं शामिल हैं। भारत पहले एलएनजी के लिए केवल कतर पर निर्भर था। अब अमेरिका के साथ ही रूस और ऑस्ट्रेलिया से भी एलएनजी का आयात हो रहा है।

बता दें कि अमेरिका दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सम्मान में आयोजित हाउडी मोदी कार्यक्रम में भी शिरकत करनी है। इस कार्यक्रम का आयोजन गैर लाभकारी संगठन टेक्सास इंडिया फोरम ने किया है, जिसमें 48 राज्यों के लोग शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल होंगे। पीएम मोदी अपने दौरे के दौरान 50 किलोवाट क्षमता के गांधी सोलर पार्क का भी लोकार्पण करेंगे।

कश्मीरी पंडितों, सिखों, दाऊदी बोहरा लोगों से की मुलाकात

कश्मीरी पंडित समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हृयूस्टन में मुलाकात की और जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने के फैसले का स्पष्ट रूप से समर्थन किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने ट्वीट किया, हृयूस्टन में, कश्मीरी पंडित समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने भारत की प्रगति और हर भारतीय के सशक्तिकरण के लिए उठाए जा रहे कदमों का स्पष्ट समर्थन किया। उन्होंने सिखों और दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की। दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर और उनके कंधे पर पारंपरिक अंगवस्त्रम लपेटकर उनका सम्मान किया। पीएमओ ने एक अन्य ट्वीट में कहा, दाऊदी बोहरा समुदाय ने हृयूस्टन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया।

बाबरी मामले को लेकर कल्याण को समन

लखनऊ(आरएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को बाबरी मस्जिद ढहाने के मामले में 27 सितंबर को कोर्ट में पेश होने का समन भेजा है। विशेष जज एस.के. यादव ने सीबीआई की लंबित याचिका पर बार एसोसिएशन की उस सूचना का संज्ञान लेते हुए कल्याण को समन भेज दिया कि उनका राज्यपाल का कार्यकाल सितंबर के पहले सप्ताह में समाप्त हो गया है।

सिंह के अलावा पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती और अन्य के खिलाफ भी छह दिसंबर 1992 को 14वीं सदी की इस इमारत को ढहाने की साजिश रचने का मामला चल रहा है।

मामले की सुनवाई दैनिक आधार पर चल रही है। कोर्ट ने सीबीआई से पूछा था कि क्या भाजपा नेता कल्याण सिंह अभी भी संवैधानिक पद पर हैं।

जांच एजेंसी ने यह दावा करते हुए कहा कि अभी उन्हें संबंधित दस्तावेज नहीं मिले हैं,

बार एसोसिएशन द्वारा जरूरी जानकारी देने के बाद कोर्ट ने समन जारी कर दिए।

सीबीआई के द्वारा याचिका

दायर की गई थी कि कल्याण सिंह पर 1993 में आरोप लगाए गए थे और सुप्रीम कोर्ट ने 19 अप्रैल 2017 को आदेश दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 361 द्वारा राज्यपाल को प्रदत्त अधिकारों के कारण उन पर ट्रायल नहीं चलाया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि, सीबीआई को छूट दी थी कि कल्याण सिंह के पद छोड़ते ही वह उन्हें समन जारी करे।

हाउडी मोदी' कार्यक्रम से पहले ही स्टेडियम के बाहर जमा हुए हजारों पाकिस्तानी अलगाववादी

हृयूस्टन। हृयूस्टन के एनआरजी फुटबॉल स्टेडियम में होने वाले 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम से पहले ही हजारों पाकिस्तानी अलगावादी वहां पहुंचना शुरू हो गए हैं। अलगाववादी सिख और कश्मीरी संगठन जिनकी पाकिस्तान से नजदीकियां हैं, वह बड़ी संख्या में हृयूस्टन पहुंच चुके हैं। अलायंस फॉर जस्टिस एंड अकांउटिबिलिटी ने कहा, हम एक हैं और हमारा एजेंडा एक है- हमें लोकतंत्र विरोधी, जनता विरोधी और अल्पसंख्यक विरोधी मोदी सरकार और भाजपा के एजेंडा का पर्दाफाश करना है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका में रह रहे भारतीय अमेरिकी समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रविवार को हाउडी मोदी कार्यक्रम को संबोधित करने को लेकर बेहद उत्साहित है।

समुदाय का मानना है कि यह कार्यक्रम दर्शाता है कि कश्मीर को लेकर भारत की नीति का अमेरिका समर्थन करता है। भारतीय अमेरिकी समुदाय के लिए इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए हृयूस्टन में भारतीय अमेरिकी डॉक्टरों के संगठन के पूर्व अध्यक्ष राकेश मंगल ने कहा कि ट्रंप का हाउडी मोदी कार्यक्रम में हिस्सा लेना यह दिखाता है कि भारत पूरी दुनिया खासतौर पर अमेरिका के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

रिपब्लिकन हिंदू कॉलिशन के शलभ कुमार ने कहा कि हृयूस्टन में अमेरिकी राष्ट्रपति का मोदी के साथ मंच साझा करना, स्पष्ट रूप से यह दिखाता है कि पाकिस्तान को लेकर अमेरिका का रुख क्या है। पहले खबर आई थी कि पाकिस्तान की एनआरजी स्टेडियम के सामने कश्मीर मुद्दे को लेकर होने वाले प्रदर्शन की योजना को रद्द कर दिया गया है। भारतीय अमेरिकी समुदाय के मुताबिक यह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के मुंह पर तमाचा है।

तेज हवा में फंसा एयर इंडिया का विमान

» विमान में सवार थे 172 यात्री

नई दिल्ली (आरएनएस)। एयर इंडिया का दिल्ली से कोच्चि होते हुए तिरुवनंतपुरम जाने वाला विमान तूफान में फंस गया। जानकारी के अनुसार इस विमान में 172 यात्री सवार थे। यात्रियों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचा और विमान को सुरक्षित लैंड करा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि एयर इंडिया का संरक्षा विभाग मामले की विस्तार से जांच कर रहा है।

उन्होंने बताया कि एयर इंडिया की दिल्ली से तिरुअनंतपुरम होते हुए कोच्चि जाने वाली फ्लाइट ए1467 उस समय तेज हवाओं में फंस गई जब वह तिरुअनंतपुरम से कोच्चि के रास्ते पर थी। इस दौरान यह ए 321 विमान मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। उसे तुरंत उतार लिया गया और उसका निरीक्षण किया गया। इस वजह से वापसी की उड़ान करीब चार घंटे विलंबित हो गई।

दिल्ली-विजयवाड़ा फ्लाइट भी बनी थी खराब मौसम का शिकार

एयरलाइन सूत्रों ने बताया कि 17 सितंबर को नई दिल्ली से विजयवाड़ा जा रहा एयर इंडिया का विमान भी खराब मौसम का शिकार बना था। विमान में 174 यात्री सवार थे। यह घटना तब हुई थी जब क्रू मेंबर्स यात्रियों को खाने-पीने की चीजें सर्व कर रहे थे।

क्रू मेंबर्स को इस घटना के दौरान चोटें आईं और विमान को भी नुकसान पहुंचा था, लेकिन किसी यात्री को चोट नहीं आई। दरअसल, झटका इतना तेज था कि क्रू मेंबर्स खाने-पीने की चीजों समेत गिर गए थे और सारा सामान बिखर गया था। यहां तक कि शौचालय का कमोड भी टूट गया था। इस कारण यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की उपलब्धियों के कसीदे पढ़ेंगे ट्रम्प

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प संयुक्त राष्ट्र के समक्ष अपने देश की उपलब्धियों का बखान करेंगे। ट्रम्प ने अपने भाषण के बारे में कहा, ''हम कहेंगे कि अमेरिका विश्व का सबसे महान देश है। यह कभी इतना मजबूत और कभी इतना बेहतर नहीं था।'' उन्होंने कहा, '' और हां, अमेरिकियों को इतिहास का सबसे बेहतरीन राष्ट्रपति मिला है।'' संयुक्त राष्ट्र में पिछले साल ट्रम्प ने कहा था कि उन्होंने अमेरिका के इतिहास में लगभग किसी भी सरकार से अधिक काम किया है, जिससे वहां मौजूद लोग ठहाके मारकर हंसने लगे थे। इसके बाद '' पूरा विश्व ट्रम्प पर हंसा'' जैसे शीर्षक कई समाचार पत्रों में नजर आए। अब एक साल बाद उत्तर कोरिया से लेकर ईरान, वेनेजुएएला से लेकर चीन तक से मिले झटकों का ट्रम्प क्या जवाब देंगे, यह देखने वाली बात होगी। वहीं, प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पत्रकारों से कहा कि ट्रम्प नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में अमेरिका की नेतृत्वकारी भूमिका की पुष्टि करने की दिशा में काम करेंगे। इसबीच, संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा सोमवार को जलवायु परिवर्तन पर आयोजित शिखर सम्मेलन में ट्रम्प हिस्सा नहीं लेंगे। जीवाश्म ईंधन को बढ़ावा देने वाले और नवीकरणीय ऊर्जा की आवश्यकता का उपहास उड़ाने वाले ट्रम्प फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित जलवायु परिवर्तन की बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे। संयुक्त राष्ट्र में हालांकि वह कई नेताओं से अलग-अलग मुलाकात करेंगे।

दुनिया का पहला वजाइना म्यूजियम तैयार, नवंबर में खुलेगा

लंदन। लंदन में जल्द एक म्यूजियम खुलनेवाला है, जिसकी हर तरफ चर्चा है। इस म्यूजियम का नाम है वजाइना म्यूजियम। यह दुनिया का पहला ऐसा म्यूजियम होगा। इसे 16 नवंबर को खोला जाएगा। इस म्यूजियम की फाउंडर फ्लोरेंस शेक्टर हैं। इस म्यूजियम को बनाने में करीब 44 लाख रुपये का खर्च आया है। यह पैसा फ्लोरेंस ने क्राउडफंडिंग के जरिए एकत्र किया था। सोशल मीडिया पर इसका जमकर प्रचार किया गया है। इसका अपना इंस्टाग्राम अकाउंट और वेबसाइट भी है। फ्लोरेंस ने बताया कि म्यूजियम

को लोगों के बीच इस प्राइवेट पार्ट को लेकर फैलीं भ्रांतियों को दूर करने के लिए खोला जा रहा है। पेनिस म्यूजियम के बारे में पता चला तब आया प्लान

फाउंडर फ्लोरेंस ने यह म्यूजियम बनाने के बारे में साल 2017 में सोचा था। तब उन्हें पता लगा था कि पेनिस बेस एक म्यूजियम आइसलैंड में स्थित है। बता दें कि आइसलैंड वाले म्यूजियम में सभी जानवरों के पेनिस के डिस्पले हैं। इसपर फ्लोरेंस ने सोचा कि ऐसा एक महिलाओं का भी म्यूजियम होना चाहिए।

फ्लोरेंस ने बताया कि बॉडी के इस पार्ट के बारे में जो भी बात करने से लोग हिचकते हैं, उसपर वहां बात की जाएगी। यहां लोगों को वेजाइना के साथ-साथ महिलाओं को होने वाले विभिन्न रोग और महिला की शारीरिक रचना के बारे में बताया जाएगा। फाउंडर मानती हैं कि इससे महिला जननांगों को लेकर बात करने में जो हिचकिचाहट होती है वह दूर होगी।

यूएनजीए सत्र में भाग लेने न्यूयॉर्क पहुंचे इमरान खान

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान 74वें संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) सत्र में भाग लेने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक सहित अन्य गतिविधियों में शामिल होने के लिए एक सप्ताह के दौरे पर न्यूयॉर्क पहुंच गए हैं। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की राजदूत मलीहा लोधी, अमेरिका के लिए पाकिस्तान के राजदूत असद मजीद खान और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को उनका स्वागत किया।

खान के दौरे का मुख्य आकर्षण 27 सितंबर को यूएनजीए में होने वाला उनका पहला संबोधन है, जो जम्मू एवं कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के दृष्टिकोण और रुख तथा उसके वर्तमान मानवाधिकारों और संबंधित आयामों पर केंद्रित होगा।

खान के साथ विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी, वित्त संबंधी मामलों के सलाहकार हफीज शेख और प्रवासी पाकिस्तानियों के लिए विशेष सहायक अब्बास बुखारी भी गए हैं।

इमरान खान का सप्ताहभर का कार्यक्रम कुछ इस प्रकार है:

22 सितंबर : खान अफगानिस्तान मसले के सुलह के लिए अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि जल्माय खलीलजाद से मिलेंगे।

23 सितंबर : वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी विदेश मंत्री वांग शी और इटली के प्रधानमंत्री ग्यूसेपे कोंटे से मुलाकात करेंगे।

24 सितंबर : खान संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में शिरकत करेंगे।

24 सितंबर : राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में भाग लेंगे।

25 सितंबर : वह संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय का दौरा करेंगे।

26 सितंबर : वह संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक वित्त

बैठक में भाग लेंगे।

27 सितंबर : खान यूएनजीए को संबोधित करेंगे और कश्मीर के मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

महत्वपूर्ण बैठकों के अलावा, खान न्यूजीलैंड, मिस्त्र, इथियोपिया और तुर्की के अपने समकक्षों से मिलेंगे और पाकिस्तान, मलेशिया और तुर्की की त्रिपक्षीय शिखर बैठक में भी भाग लेंगे।

महत्वपूर्ण एवं खास

ईरान ने कहा, हमला करने वाले देश को युद्ध का मैदान बना देंगे

तेहरान। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर ने अपने देश पर हमला करने वाले किसी भी देश को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी भी देश ने ईरान पर हमला किया तो वह उसे युद्ध का मैदान बना देगा। मेजर जनरल हुसैन सलामी ने यह भी कहा कि ईरान किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

उन्होंने यह बयान उन रिपोर्टों के संदर्भ में दिया है जिसमें बताया गया है कि अमेरिका सऊदी के तेल प्रतिष्ठनों पर हमले के जवाब में सैन्य विकल्प तलाश रहा है। तेल प्रतिष्ठानों पर हमले का जिम्मेदार तेहरान को माना जा रहा है। उन्होंने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जो भी देश अपने क्षेत्र को युद्ध का मैदान बनाना चाहता है, वह आगे बढ़े। हम ईरानी क्षेत्र पर अतिक्रमण के लिए किसी भी युद्ध की इजाजत नहीं देंगे। ईरान ने सऊदी हमलों के आरोपों के बाद अमेरिका की आलोचना की थी। उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि वे (अमेरिका) कोई रणनीतिक भूल नहीं करेंगे जैसा कि उन्होंने पहले किया था। मेजर जनरल हुसैन सलामी तेहरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन ऐंड होली डिफेंस म्यूजियम में एक प्रदर्शनी के अनावरण के दौरान अपनी बात रख रहे थे। प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शित किए गए ड्रोन के बारे में ईरान का कहना है कि यह अमेरिका और अन्य देशों के ड्रोन हैं, जिसे उसने अपने क्षेत्र में कब्जे में लिया है।

जन अदालत में नक्सलियों ने की स्कूली छात्र की निर्मम हत्या

जगदलपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने मुखबिरी के संदेह में एक नाबालिग स्कूली छात्र रमेश कुंजाम की जन अदालत लगाकर हत्या कर दी। सूत्रों के अनुसार बासागुड़ा थाना क्षेत्र के तीम्मापुर गांव से नक्सली विगत 16 सितंबर को 10 वीं कक्षा के छात्र रमेश कुंजाम को गांव से अगवा कर ले गए थे। उसी दिन शाम को गांव में जनअदालत लगाकर सभी गांव वालों के सम्मुख ही, उसे पुलिस का मुखबिर बताते हुए धारदार हथियार से से गला रेत कर मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद शव गांव में ही फेंक दिया। सूचना मिलने पर छात्र के परिजन एवं ग्रामीण घटना स्थल पहुंचे और शव को अपने साथ ले जाकर तर्रेम गाँव मे अंतिम संस्कार कर दिया। नक्सलियों के भय के कारण परिजन एवं ग्रामीणों ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करवायी है। बीजापुर एसपी दिव्यांग पटेल ने कहा कि छात्र के हत्या की सूचना अवश्य मिली है और पूरे मामले की पतासाजी करने पुलिस पार्टी रवाना कर दी गयी है।

पति की हत्या के मामले में 22 साल से कैद महिला सुको से हुई बरी

» हरियाणा के पंचकूला में 1997 में हुई थी घटना

नई दिल्ली (आरएनएस)। पति की हत्या के मामले में महिला को 22 साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी की मौत पर दुखी न होना हत्या का सबूत नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष का केस संदेह उत्पन्न करता है। पुलिस के मुताबिक पति की गला घोंटकर हत्या कर दी गई और उसके शव को सीलिंग फैन से लटकाया गया ताकि मामला आत्महत्या का लगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारा मानना है कि यह थ्योरी ठीक नहीं। अकेले आरोपी के लिए गला घोंटने के बाद शव को सीलिंग फैन से लटकाना संभव नहीं लगता।महिला के खिलाफ आरोप लगाते हुए यह भी कहा गया था कि जब उसके पति का शव लटकता हुआ पाया गया तो महिला का व्यवहार बहुत ही सामान्य था और वह रिश्तेदारों के साथ चाय पी रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि महिला की ननद की गवाही पर पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने उन्हें उम्रकैद की सजा दे दी थी जो ठीक नहीं था। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी पाया गया था कि मामला आत्महत्या का नहीं था। इसी के बाद हाई कोर्ट ने महिला को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। घटना हरियाणा के पंचकूला में 1997 में घटी थी।